ज) आपने अपने आस पड़ोस में बुजुर्गों के साथ अच्छे एवं बुरे व्यवहार की घटनाएँ अवश्य देखी होंगी। किसी एक घटना का वर्णन उनके परिणाम सहित कीजिए। (5)

प्र3क) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखें: (2)

भेदभाव, हौसला, निर्धन, वास्तव

ख) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए – (3)

निर्वाह, महक, आचरण

(खंड-ग)

प्र4क) वर्ण विच्छेद कीजिए: कनक, करीम, विलोम, कन्या (4)

ख) अनुस्वार, अनुनासिक तथा नुक्ता का सही स्थान पर प्रयोग कीजिए-(3)

पछी, गाठ, नीलकठ, फरियाद, रोटिया, जरूर

ग) उपसर्ग (दो-दो) बनाएं: बद, खुश, ला (3)

घ) शब्द शुद्ध कीजिए: कवी, पत्नि, पुजनीय, दिपावली, बरीक, सामीग्रि (3)

ङ) संधि विच्छेद कीजिए: दीपावली, वधूर्मि (2)

च) संधि कीजिए: कवि+इंद्र, वधू+उत्सव (2)

छ) मुहावरों के अर्थ लिख कर वाक्य बनाइए: (3)

चेहरा खिलना, ईद का चाँद होना, आस्तीन का साँप

प्र5. बस सेवा के लिए प्रधानाचार्य जी को प्रार्थना पत्र लिखिए। (5)

घ) घर की जायदाद के साथ-साथ किस चीज़ का बटवारा हुआ? (1)

ङ) कवि का धर्म से क्या अभिप्राय है? (2)

च) गुरूदेव की बात से युवक कौनसे रहस्य को जान गया था? (2)

छ) बच्चों को क्या अच्छा नहीं लगता था? (2)

ज) सुबह-सुबह जब आप विद्यालय जा रहे हैं तो रास्ते में कोई बीमार, नेत्रहीन या कोई बुजुर्ग आपसे सहायता माँगे तो आप क्या करोगे और क्यों? अपने विचार लिखिए। (5)

प्र3क) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखें: (2)

शरण, खुद, आश्रम, व्यंजन

ख) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए – (3)

अपंग, तपाक, नम्रता

(खंड-ग)

प्र4क) वर्ण विच्छेद कीजिए: कपट, कौआ, स्वाद, सूरज (4)

ख) अनुस्वार, अनुनासिक तथा नुक्ता का सही स्थान पर प्रयोग कीजिए-(3)

फारसी, उगली, चद्र, गाव, चदन, जख्म

ग) निम्नलिखित उपसर्गों का प्रयोग करते हुए दो-दो शब्द बनाएं: (3)

भर, अन, नि

घ) शब्द शुद्ध कीजिए: पशू, श्रीमति, बिमारी, उन्नती, चाहिए, इसीलिए (3)

ङ) संधि विच्छेद कीजिए: विद्यालय, नदीश (2)

च) संधि कीजिए: भानु+उदय, लघु+ऊर्जा (2)

छ) मुहावरों के अर्थ लिख कर वाक्य बनाइए: (3)

टका सा जवाब देना, दाँतों तले उँगली दबाना, आँखों का तारा

प्र5. शुल्क मुक्ति (फीस माफी) के लिए प्राधानाचार्य जी को प्रार्थना पत्र लिखिए। (5)

Periodic Test (25 July 2017)
Class - VI
Hindi
(Set - B)

Time: 2hrs. **MM: 50**

(खंड-क)

प्र1. गद्यांश (5)

मनुष्य का अपने कर्म पर अधिकार है। वह कर्म के अनुसार फल प्राप्त करता है। अच्छे कर्म करने से फल भी अच्छा मिलता है। बुरे कर्म का परिणाम बुरा होता है। कर्म करना बीज बोने के समान है। जैसा बीज होता है वैसे ही पेड़ और वैसे ही फल होते हैं। एक कहावत है- 'बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से खाय?' इसलिए बड़े-से-बड़े अपराधी अंततः बुरी मौत मरते हैं। जो बेईमानी से धन कमाते हैं, उनके बच्चे बेईमान और दुश्चरित्र बनते जाते हैं। उनकी बुराई का परिणाम उन्हें मिल ही जाता है। हमारा व्यक्तित्व हमारे कर्मो का ही प्रतिबिंब है। अगर हम आजीवन कुछ पाने के लिए भागदौड़ करते हैं तो इससे हमारा जीवन ही अशांत होता है। एक छात्र परिश्रम की राह पर चलता है तो उसे सफलता तथा संतुष्टि का फल प्राप्त होता है। दूसरा छात्र नकल और प्रवंचना का जीवन जीता है। उसे जीवन भर चोरों, ठगों और धोखेबाजों के बीच रहना पड़ता है। दुष्ट लोगों के बीच जीना भी तो एक दंड है, अशंति है। अतः मनुष्य को पूण्य कर्म करने चाहिए। इसी से मन से सच्चा सुख जागता है, सच्ची शांति मिलती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

क) मनुष्य का किस पर अधिकार है?

ख) कर्म को किसके समान माना गया है?

ग) बेईमानी से धन कमाने वालों के साथ क्या होता है?

घ) परिश्रम की राह पर चलने वाला छात्र क्या प्राप्त करता है?

ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए।

(खंड-ख)

प्र2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

क) हमें नेक बनने के लिए किस मार्ग पर चलना चाहिए? (1)

ख) गुरूदेव कहाँ बैठे थे? (1)

ग) बड़ी बहू बच्चों को किसके पास जाने नहीं देती थी? (1)

Periodic Test (25 July 2017)
Class - VI
Hindi
(Set - A)

Time: 2hrs. **MM: 50**

(खंड-क)

प्र1. गद्यांश (5)

खेल हमारे शरीर को सुगठित बनाते हैं तथा हमारी कार्य-क्षमता को बढ़ाते हैं। जीवनभर अगर युवक बने रहना है तो खेलों से अच्छा कोई साधन नहीं है। खूलकूद हमारे अंदर मिलकर काम करने की भावना का विकास करते हैं। किसी टीम की विजय में उसके सभी खिलाड़ियों का योगदान होता है। इससे सामूहिकता के साथ काम करने की आदत विकसित होती है। इस प्रकार खेल-कूद हमारे अंदर संगठन और सहयोग, परस्पर विश्वास, अनुशासन और आज्ञाकारिता, साहस, सहनशीलता, आदि अच्छे गुणों का विकास करते हैं। हारनेवाला खिलाड़ी मुस्कराकर विजयी खिलाड़ी को बधाई देता है और आगे से अच्छे-से-अच्छे खेलने का संकल्प करता है। खेल हमें विपरीत परिस्थितियों के आगे न झुकने की प्रेरणा देते हैं।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

क) खेल हमारे शरीर पर क्या प्रभाव डालते हैं?

ख) खेलकूद हमारे अंदर कैसी भावना का विकास करते हैं?

ग) खेलकूद हमारे अंदर किन श्रेष्ठ गुणों का विकास करते हैं?

घ) खेल में हारने वाला खिलाड़ी क्या करता है?

ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए।

(खंड-ख)

प्र2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

क) हमें सच का दम भरने से पहले किस बुराई से बचना चाहिए? (1)

ख) गुरूदेव का मित्र कौन था? (1)

ग) मोनू के घर में अच्छा खाना क्यों बन रहा था? (1)

घ) मनुष्य का अमूल्य धन क्या है? (1)

ङ) मनुष्य पर मुश्किल आ जाने पर कवि ईश्वर से क्या माँगता है? (2)

च) बड़ी बहू अपनी सास के साथ कैसा व्यवहार करती थी? (2)

छ) युवक उदास क्यों हो गया? (2)